



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १०] नई दिल्ली, गनिवार, मार्च ६, १९९९ (फाल्गुन १५, १९२०)

No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 6, 1999 (FALGUNA 15, 1920)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

भाग I—बाग 1—(राज प्रशालन को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालयों द्वारा भारी की नई प्राधिकारी नियमों, विनियमों, प्रावेश व्याया मंत्रालयों से संबंधित प्रधिसूचनाएँ

भाग I—बाग 2—(राज प्रशालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा भारी की नई सरकारी प्रधिकारीयों की नियुक्तियाँ, पदोन्नतियाँ, कुटुंबीयाँ प्रावित के संबंध में अधिसूचनाएँ

भाग I—बाग 3—राज मंत्रालय द्वारा भारी किए गए सकलों और प्राधिकारियों के मंत्रालय में परिपूर्वकान्तर

भाग I—बाग 4—राज मंत्रालय द्वारा भारी की नई सरकारी प्रधिकारीयों की नियुक्तियाँ, पदोन्नतियाँ, कुटुंबीयों प्रावित के मंत्रालय में प्रधिसूचनाएँ

भाग II—बाग 1—प्रधिकारीय, प्राव्यावेश और विनियम

भाग II—बाग 1—प्रधिकारीय, प्राव्यावेश और विनियम का हिन्दी भाषा में प्राविहृत पाठ

भाग II—बाग 2—रिपोर्ट तथा विवरणों पर प्रबन्ध समितियों के बिना तथा रिपोर्ट

भाग II—बाग 3—उप-बाग (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (राज प्रशालय को छोड़कर) और कमीश प्राधिकारणों (संघ भाषित संस्कृतों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा भारी किए गए सामाजिक सार्विकारीय नियम (विषय सामाजिक व्यवस्था के प्रावेश और उपविधियों प्रावित भी जावित हैं) :

भाग II—बाग 3—उप-बाग (ii) भारत सरकार के मंत्रालयों (राज प्रशालय को छोड़कर) और कमीश प्राधिकारणों (संघ भाषित संस्कृतों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा भारी किए गए सार्विकारीय नियम और प्रधिसूचनाएँ

भाग II—बाग 3—उप-बाग (iii) भारत सरकार से मंत्रालयों (जिनमें दो वर्षान्त भी जावित हैं) और केंद्रीय प्राधिकारणों (संघ भाषित संस्कृतों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा भारी किए गए सामाजिक सार्विकारीय नियमों और सार्विकारीय प्रावेशों (जिनमें सामाजिक स्ववर्धन की उपविधियों भी जावित हैं) के हिस्से प्राविहृत पाठ (ऐसे राइंग को छोड़कर जो भारत के राज्यों के बाग 3 वा बाग 4 में प्रकाशित होते हैं)

273

161

5

283

*

*

*

*

भाग II—बाग 4—राज मंत्रालय द्वारा भारी किए गए सार्विकारीय नियम और प्रावेश

भाग III—बाग 1—उप-बाग 1—विधायिक शीर वहानेश्वर-परीक्षक, संघ सोक सेवा व्यायोग, रेल विभाग और भारत सरकार में संबद्ध और प्रधीनस्थ नियम तथा द्वारा भारी की नई प्रधिसूचनाएँ

भाग III—बाग 2—उप-बाग 2—द्वारा भारी की नई प्रधेस्तों वीर दिवालीनों में संबंधित प्रधिसूचनाएँ और गोठिस

भाग III—बाग 3—मुहा प्राप्तों के विधिकार के अधीन प्रधाय द्वारा भारी की नई प्रधिसूचनाएँ

भाग III—बाग 4—विधिश विविधक विधायिक नियमों द्वारा भारी की नई प्रधिसूचनाएँ, अर्टेंग, विकास और नोटेंस भाषित हैं।

भाग IV—नेतृत्वकारी व्यविधियों और नेतृत्वसंस्थानीय नियमों द्वारा भारी की नई विभाग और नोटेंस

भाग V—नेतृत्वकारी व्यविधियों द्वारा भारी की नई विभाग और नोटेंस

CONTENTS

PAGE	PAGE		
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	273	PART II—SECTION 3—Sub-sec. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence and by General Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	161	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	5	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	223
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	283	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	259
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi languages of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements, and Notices issued by Statutory Bodies	743
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	399
PART II—SECTION 3—Sub-Section (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi.	*
PART II—SECTION 3—Sub-Section (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधिलिखित नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकलनों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

नई विल्ली-1, विनांक 8 फरवरी 1999

सं. पी एफ जी(314)/74-प्रशा.-2—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209-क की उपधारा (1) के खण्ड (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा कम्पनी कार्य विभाग के श्री वी. पी. सिंहल, उप-निदेशक (निरीक्षण) को उक्त धारा 209-क के प्रयोग के लिए प्राधिकृत करती है।

ज्ञ. पी. सैनी, अवर सचिव

सं. पी एफ जी(313)/74-प्रशा.-2—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209-क की उपधारा (1) के खण्ड (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा कम्पनी कार्य विभाग के श्री एस. के. मण्डल, संयुक्त निदेशक (निरीक्षण) अधिकारी को कम्पनी कार्य विभाग में उक्त धारा 209-क के प्रयोग के लिए प्राधिकृत करती है।

ज्ञ. पी. सैनी, अवर सचिव

गृह मंत्रालय

नई विल्ली, विनांक 4 फरवरी 1999

सं. पू-13019/1/97-ए. एन. एल.—राष्ट्रीय, इस मंत्रालय की अधिसूचना सं. पू-13019/1/96-ए. एन. एल. के पैरा 2(ग) के अनुरूप अंडमान और निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र के लिए, यह मंत्री की सलाहकार समिति में निम्नलिखित व्यक्तियों के सदस्य के रूप में नियुक्त करते हैं:—

1. श्री महानंदा विस्यास
2. श्री दिमल कुमार राय
3. श्री निमल कुमार हलधर
4. कौण्ठन प्यारा मिंह
5. श्री एस. धैरू

राष्ट्राभिना, उपरोक्त अधिसूचना के पैरा 2(ग) तथा (च) के अनुरूप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र के गृह मंत्री की सलाहकार समिति में सदस्यों के रूप में निम्नलिखित व्यक्तियों को भी नामित करते हैं:—

1. श्री बिल्लू पद राय
2. श्रीमती आग्रहा मजीद
3. श्रीमती जया प्रभा

यह भी निर्णय लिया गया है कि इस सलाहकार समिति की बैठक में भाग लेने के लिए निम्नलिखित व्यक्ति स्थायी रूप से निर्भावित अतिथि रहेंगे:—

1. श्री सरूप खाल
2. श्री एच. एन. अरोड़ा

धार्मस मैथ्यू, निवेशक (ए.एन.एल.)

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

सार्विकी विभाग

नई विल्ली-1, विनांक 8 फरवरी 1999

सं. एम-13011/1/96-प्रशा.-4—राष्ट्रीय परीक्षण सर्वेक्षण संगठन की शासी परिषद के गठन के संबंध में भारत सरकार के विनांक 5 मार्च, 1970 के संकल्प सं. डीएस/एसटीएस/4-69 के अनुसारण में, निम्नलिखित सरकारी तथा गैर-सरकारी अधिकारियों को विनांक 1-1-1999 से वी.पी. की अवधि के लिए यां. प्र. सर्क. सं. की शासी परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है:—

(क) गैर-सरकारी सदस्य

1. प्रो. एस. के. उपीकारी, भारतीय सार्विकीय संस्थान, 203, बी. टी. एड., कलकत्ता-700035
2. प्रो. टी. जे. राष्ट्र, भारतीय सार्विकीय संस्थान, 203, बी. टी. एड., कलकत्ता-700035

3. श्री एस. रामनाथ अम्बर,
पूर्व निदेशक, क्ष. सं. प्र., रा. प्र. संघ. सं.,
17 नार्थ स्ट्रीट, कलाई नगर, भद्रुरह-625014।
4. श्री. एस. एन. मिश्रा,
पूर्व निदेशक, आई ई जी (एस. ई. 1),
समृद्धि कानून ग्रृह हाउसिंग सोसायटी,
68, पटपड़गंग, नहू दिल्ली-110092।
5. श्रीमती उमा दत्ता राय औरुरी,
फ्लैट नं. 50, चिवालिक अपार्टमेंट्स,
पाकेट ए, अलकनन्दा, नहू दिल्ली-110019।

(ख) सरकारी संस्थ

1. निदेशक, आर्थिक एवं सांस्थिकी विभाग,
मध्यप्रदेश सरकार,
पिपलनाडु भवन,
भैयाल-462004।
2. निदेशक, आर्थिक एवं सांस्थिकी विभाग,
तमिलनाडु सरकार,
ब्लाक-2, प्रशासनिक कार्यालय भवन,
259, अन्नामलाई, टेनामपेट,
चेन्नई-600006।
3. निदेशक, सांस्थिकी निवेशालय,
पिपुरा सरकार, शंकर चूमूलानी,
अग्रसेना-799001।
4. कृषि मंत्रालय क्षारा नामित संस्थ,
भारत सरकार, कृषि भवन,
नहू दिल्ली-110001।
5. परिवार कल्याण विभाग द्वागा नामित संस्थ,
निर्माण भवन, नहू दिल्ली-110001।
6. महानिदेशक, केन्द्रीय सांस्थिकीय संगठन,
सांस्थिकी विभाग, सरकार पटेल भवन,
संसद मार्ग, नहू दिल्ली-110001।
7. उपमहानिदेशक, गंगणक केन्द्र,
पूर्वी लैंड नं. 10, आर. के. पूर्णा
नहू दिल्ली-110022।

8. उपमहानिदेशक,
समंक विधायक प्रभाग, गांधीजी प्रीनदर्श संकेतण
संगठन, सांस्थिकी विभाग, महाननीष्म भवन,
164, जी.एल.टी. रोड,
कलकत्ता-700035।

9. उपमहानिदेशक, सर्वोच्च अधिकाल्य एवं अनुसंधान
प्रभाग,
राष्ट्रीय प्रीतदर्श संकेतण संगठन,
सांस्थिकी विभाग,
महालनेबिस भवन, 164, जी.एल.टी. रोड,
कलकत्ता-700035।
10. उपमहानिदेशक,
क्षेत्र संकार्य प्रभाग, रा. प्र. संघ. सं.,
सांस्थिकी विभाग, "गी" रिंग, नहीं तल,
पृष्ठ भवन, सदनभीर रोड,
नहू दिल्ली-110062।
11. निदेशक, समन्वय एवं प्रकाशन प्रभाग,
राष्ट्रीय प्रीतदर्श संकेतण संगठन,
सांस्थिकी विभाग, सरदार पटेल भवन,
संसद मार्ग, नहू दिल्ली-110001।
- (ग) सदस्य-संचय
12. महानिदेशक एवं मूल्य कार्यकारी अधिकारी,
राष्ट्रीय प्रीतदर्श संकेतण संगठन,
सांस्थिकी विभाग, सरदार पटेल भवन,
संसद मार्ग, नहू दिल्ली-110001।

अशोक शर्मा, निवेशक

इस्पात मंत्रालय

नहू दिल्ली, दिनांक 24 जून 1998

संकल्प

सं. एस. सी. 9(7)/97-डी-1(.)—दिनांक 31 जनवरी, 1986 के संकल्प संख्या एस. सी. 1(1)/86-डी-3 के तहत भारत सरकार ने इस्पात और बान मंत्री की अध्यक्षता में इस्पात उभोदान परिषद जिसमें सरकार, लोहे और इस्पात के उत्पादकों जैसे ग्राहकों, आवास निर्माताओं तथा संबद्ध उद्योगों के प्रतिनिधि शामिल हैं, का गठन किया था। इस परिषद का कार्यकाल जैसे कि 06 दिसम्बर, 1995 के संकल्प गंभीर एस. सी. 1(1)/95-डी-1 के तहत बढ़ाया गया था, 30 अक्टूबर, 1997 को समाप्त हो गया था। अब परिषद का कार्यकाल और दो वर्ष अर्थात् 30 अक्टूबर, 1999 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

परिषद के कार्य अर्थात् “लोहे और इस्पात की पूर्ति, उपलब्धता, गृणवत्ता और बाजार रहने से भविष्यत मूल्यों पर केन्द्र की परामर्शदाता देना और उसकी सहायता करना है” अपरिवर्तित रहते हैं।

आवेदन

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रीतिलिपि सभी राज्य सरकारों, संघ विभाग, प्रशासनीय, भारत सरकार वे सभी मंत्रालयों व विभागों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल विभाग

वास्तव संसद संचालनय, योजना आयोग, भारत के महात्मा परीक्षक व इस्पात उपभोक्ता के सभी शक्ति को भेज दी जाए।

2. यह भी आवेदन दिया जाता है कि सामान्य संज्ञा के लिए इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के. एस. राजेन्द्र कमार, संसद सचिव

जल संसाधन मंत्रालय

विनांक 5 फरवरी 1999

संकल्प

सं. 31/65/98-पी. पी.—राक यांत्रिकी एवं टेलीका प्रोड्यूशनिकी संबंधी भारतीय राष्ट्रीय मिसिति को पुनर्गठन से संदर्भित पूर्व में जारी मंकल्प/आदेश म. डी उल्लू सी 10/9/93-आर एण्ड डी/54 दिनांक 17-1-94 में आंशिक संशोधन करते हुए भारत सरकार इस समिति का पुनर्गठन करती है और इसका नाम बदलकर भारतीय राष्ट्रीय भू-तकनीकी अभियांत्रिकी समिति रखा जाता है। इसका गंडा, खार्ड एवं संबंधित प्राप्तधान निम्न प्रकार होगे:—

1. संघटन:

अध्यक्ष

(1) निदेशक केन्द्रीय मूदा एवं सामग्री अनुसंधान शाला, नई दिल्ली।

सदस्य

(2) मूल्य अभियंता डी एण्ड आर स्कन्ध एंड सदस्य (डी एण्ड आर) केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली द्वारा नामित किया जाएगा।

(3) निदेशक (अभियंता, भूविज्ञान), भारतीय भूविज्ञानिक संघीकण, कलकत्ता

(4) निदेशक राष्ट्रीय राक यांत्रिकी संस्थान, कोलकाता

(5) निदेशक केन्द्रीय खनन अनुसंधान केन्द्र, भनवाद द्वारा नामित कम गे कम वैज्ञानिक "इ" स्तर का पदधारी।

(6) एवं (7) दो राज्यों के अनुसंधान संस्थान अध्यक्ष प्रयोगशाला से निदेशक के एवं पद पर कार्यरत एक अधिकारी जिसे क्रीमिक आधार पर चुना जाएगा। इसे जल संधान मंत्रालय द्वारा तीन वर्षों के लिए नियुक्त किया जाएगा।

(8) से (11) चार प्रतिवेदित विवेतान जिनमें से दो राक यांत्रिकी एवं टेलीका में प्रैवेंगिकी के क्षेत्र में डाक्टर बनने वाले एवं दो मूदा यांत्रिकी। एवं जाभारभूत

इन्जीनियरी के क्षेत्र में कार्य करने वाले दिव्याल। इन चार, विवेतानों में से एक अवस्य महिला होनी चाहिए। (जल संसाधन मंत्रालय द्वारा 3 वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किए जायेंगे।

(12) व (13) दो जल-विद्युत कारपोरेशन में (टी डी पी सी, एन जे पी सी व एवं एन एच पी सी) से एक-एक प्रतिनिधि जिन्हें बारी-बारी से चुना जाएगा और वे मूल्य अभियंता के पद में नीचे के पदधारों नहो होंगे। (जल संसाधन मंत्रालय द्वारा 3 वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किया जाएगा।)

(14) अध्यक्ष, भारतीय राक यांत्रिकी एवं टेलीका प्रैवेंगिकी परिषद, नई दिल्ली।

(15) निदेशक, अनुसंधान एवं विकास एवं प्रधान एस एम डी, केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली।

(16) निदेशक, केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सी बी आर बाई) रुड़की द्वारा नामित कम से कम वैज्ञानिक 'इ' स्तर का पदधारी।

(17) निदेशक, केन्द्रीय रोड अनुसंधान संस्थान (पी आर आर आई), द्वारा नामित कम से कम वैज्ञानिक 'इ' स्तर का पदधारी।

(18) निदेशक अभियक्ष्य और मालक संगठन द्वारा नामित कम से कम मूल्य अभियंता स्तर का पदधारी।

(19) सहा निदेशक सीमा सङ्करण (पी आर आ), नई दिल्ली, द्वारा नामित कम से कम मूल्य अभियंता स्तर का पदधारी।

(20) अध्यक्ष, भारतीय भू-तकनीकी सोसायटी, नई दिल्ली।

सदस्य सचिव

(21) संयुक्त निदेशक/मूल्य अनुसंधान अधिकारी, सी एम एम आर एस, नई दिल्ली।

2. इस मीमैल के कार्य निम्नान्तर होंगे:—

2.1 (1) मूदा यांत्रिकी, आधारभूत इन्जीनियरी, राक यांत्रिकी एवं टेलीका प्रैवेंगिकी में संबंधित मूल्दों पर केन्द्र एवं राज्य सरकारों तथा अन्य अभिकरणों को समाह देना।

(2) समिति को परामर्श देने के लिए विशेष समस्याओं पर विचार करने के वास्ते विशेष कार्यदल/विशेषज्ञ-पेनस गठित करना ।

2.2 (1) राष्ट्रीय एवं दंतराष्ट्रीय संगठनों से सूचना एकत्र करके देश में मूदा यांत्रिकी, राक यांत्रिकी एवं टनलिंग प्रौद्योगिकी की विभिन्न शाखाओं में अत्याधिक सूचना (स्टेट आफ आर्ट) को लेयर करना और उसे समय-समय पर अद्यतन करना तथा उसका प्रचार-प्रसार करना ।

(2) मूदा यांत्रिकी, आधारभूत इंजीनियरी, राक यांत्रिकी तथा टनलिंग प्रौद्योगिकी के विकास के एंटीहार्डिंग मूल्यांकन मूल्यांकन अध्ययन कामा हथा इन क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त अनुसंधान के लिए परिषेक्त योजना लागू करना ।

(3) समाचार-एज्ञ, अनुसंधान समाचारों/डाइजिटों को प्रकाशित कर मूदा यांत्रिकी, आधारभूत इंजीनियरी, राक यांत्रिकी एवं टनलिंग प्रौद्योगिकी गैंगवैधित सूचना का प्रचार-प्रसार करना ।

2.3 (1) मूदा यांत्रिकी, आधारभूत इंजीनियरी, राक यांत्रिकी तथा टनलिंग प्रौद्योगिकी को विभिन्न शाखाओं में उत्कृष्टता केन्द्रों (सेंटर्स आफ एक्सीलेन्स) को भाग्यसा वने की सिफारिश करना उसके लिए केन्द्रों निधि की सिफारिश करना ।

(2) भू-तकनीकी अनुसंधान संस्थाओं के अधिकारक विकास के लिए निधियों की सिफारिश करना ।

(3) विभिन्न संस्थाओं के अनुसंधान कार्यक्रमों में अंतर्व्याप्ति को रोकने के लिए प्रभावशाली नामेन बनाना ।

(4) अनुसंधान कर्मचारियों को विशेषज्ञता प्रदान करने और शेष अनुसंधान कार्मिकों को लिए प्रोत्तगान की सिफारिश करने के वास्ते मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देना ।

2.4 (1) मूदा यांत्रिकी, आधारभूत इंजीनियरी, राक यांत्रिकी तथा टनलिंग प्रौद्योगिकी के उन क्षेत्रों का एतो लगाना जिसमें हत्काल ध्यान देने की जरूरत है अथवा जिन पर देश में अनुप्रयुक्त अनुसंधान कियाकरानां के रहने को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के बराबर बनाने के लिए तगड़ा उपाय करने की आवश्यकता है ।

(2) वैश्व मैं आधारभूत और अनुप्रयुक्त अनुसंधान, कार्य-वाह्य अनुसंधान तथा मूदा यांत्रिकी, आधारभूत इंजीनियरी और राक मैक्रोनेक्स, टनलिंग प्रौद्योगिकी में अनुसंधान से मूल्यांकन अन्य क्षेत्रों में संस्थानों द्वारा शुरू किए जाने वाले अनुसंधान कार्यक्रमों को बढ़ावा देना, उनको समन्वय करना तथा उनका वित्त पांचाल करना ।

(3) समिति द्वारा महत्वपूर्ण/प्राथमिक क्षेत्रों के लिए मैं अभिज्ञात उन क्षेत्रों में अनुसंधान-अध्ययनों एवं विका-

सात्मक विकासकारों को शुरू करने के लिए राष्ट्रीय संस्थानों को प्रेत्साहन देना। जहां आवश्यक हो, समिति विशेषज्ञ विषय में अनुसंधान/विकास को शुरू करने के लिए संस्थानों को स्वयं नामित कर सकती है ।

(4) मूदा यांत्रिकी, आधारभूत इंजीनियरी, राक यांत्रिकी एवं टनलिंग प्रौद्योगिकी में अनुसंधान एवं विकास कियाकरानां जानकारी का प्रचार-प्रसार करने, जन-जागरूकता कार्यक्रमों में भागीदारी इत्यादि शुरू करने के लिए स्वैच्छिक व्यवसायिक निकायों, गैरि-व्यावसायिक गैर सरकारी संस्थानों को प्रोत्तसाहन देना ।

(5) अन्य राष्ट्रीय समिति/बोर्ड, संबंधित केन्द्र/राज्य सरकारों के मंत्रालयों, सीएस आई आर को प्रयोगशालाओं, भारतीय तकनीकी संस्थानों, इंजीनियरिंग कालेजों एवं पालीटेक्निक कालेजों, विश्वविद्यालयों एवं अन्य शांकिणिक संस्थानों में पुस्पर प्रभावी सहयोग बनाए रखना ।

(6) मूदा यांत्रिकी, आधारभूत इंजीनियरी, राक यांत्रिकी एवं टनलिंग प्रौद्योगिकी में तकनीकी विकास शुरू करने के लिए उत्तर प्रदान कर देशी उद्योगों को बढ़ावा देना ।

(7) मूदा यांत्रिकी, आधारभूत इंजीनियरी, राक यांत्रिकी एवं टनलिंग प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान स्कीमों पर कार्य करने वाले संस्थानों द्वारा की गई प्रगति की मानीटरी करना ।

2.5 (1) मूदा यांत्रिकी, आधारभूत इंजीनियरी, राक यांत्रिकी एवं टनलिंग प्रौद्योगिकी से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भारत की प्रभावी भागीदारी को सुनिश्चित करना एवं उसे बढ़ावा देना तथा जहां आवश्यक हो वहां एंसे अंतर्राष्ट्रीय निकायों के लिए राष्ट्रीय समिति के रूप में कार्य करना ।

(2) मूदा यांत्रिकी, राक यांत्रिकी, आधारभूत इंजीनियरी एवं टनलिंग प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में दांकिणिक एवं प्रशिक्षण तथा श्रम शक्ति विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देना ।

(3) मूदा यांत्रिकी, आधारभूत इंजीनियरी, राक यांत्रिकी एवं टनलिंग प्रौद्योगिकी में जन-जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए समिति/सम्मेलन/कार्यशाला को व्यवस्था करना और उन्हें आयोजित करना तथा अनुसंधान एवं विकास पूनरीक्षण सत्रों की व्यवस्था करना ।

3. बैठक

जब कभी आवश्यक होगा इस समिति की बैठक होगी, तथापि इस समिति की प्रत्येक वर्ष कम से कम एक बैठक होगी ।

4. उप-समिति

यह समिति अधिक में अधिक पांच उप समितियां नियुक्त कर सकती है । प्रत्येक उप समिति में अधिक गो अधिक पांच सदस्य होंगे । केवल भारतीय राष्ट्रीय समिति के समर्थ ही इस उप समिति के मद्दत होंगे ।

5. सचिवालय

आहे एन सी जी ई तथा उसकी उप सचिवालयों का सचिवालय निदेशक, के. मृ. एं. रा. आ., नई दिल्ली के प्रशासनिक नियंत्रण में होगा।

6. व्यय

(क) नरकारी संस्थाओं को यात्रा भत्ता/मंहगाई शहता उस सौत में दिया जाएगा जिसमें उन्हें बतता दिया जाता है तथा वे रस्ते और सरकारी संस्थाओं को इसका भुगतान भारतीय राष्ट्रीय भूतकारीकी इंजी-नियंत्रण समिति की किसी अनुदानों से किया जाएगा।

(ख) सचिवालयी क्रियाकलापों और उपयुक्त एवं (क) में उल्लिखित लेखा संबंधी व्यय अनुसंधान एवं विकास योजना प्रावधानों में प्रभार्य होंगे।

आदेश

आदेश है कि इस संकलण के भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

वी. के. विहा
अवर सचिव

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1999

संकाय

फा. सं. 22/2/98-बी.ओ. 1—श्री एम. मर्सिंहग की अधिकारी में दिनांक 26 दिसंबर, 1997 को स्थापित बैंकिंग क्षेत्र संभार संबंधी समिति ने अपनी रिपोर्ट अप्रैल, 1998 में प्रस्तुत की थी। कानूनी ढंगे से आवश्यक व्यापक परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए समिति ने विशेषज्ञ समिति स्थापित करने की सिफारिश की थी, जिसके अन्य व्यक्तियों के साथ-साथ, विधि संचालय, बैंकिंग प्रभाग, वित्त संचालय, भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि तथा वाहन के काल विशेषज्ञ शामिल होंगे, ताकि समिति द्वारा उनकी रिपोर्ट में विए गए सङ्कारों को प्रभावी तराने के लिए विशेष प्रसाद किया जा सके।

दद्धार, मण्डार ने इस कार्य के लिए विशेष समिति स्थापित करने का निर्णय लिया है। समिति का गठन निम्नानुसार होगा।

अध्यक्ष

- श्री टी. आर. अध्यार्थीजना, विराट अधिवक्ता एवं भारत के भूतपूर्व नानीमिट्टर जन्मन्,

215, जोरबाग, नई दिल्ली।

सदस्य

2. श्री एम. दामोदरन, मंथुक्त सचिव (बी.ओ.) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, बैंकिंग प्रभाग, नई दिल्ली।

3. श्री ए. पी. अरवाल, नियंत्रिका विधि सलाहकार कानूनी कार्य विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।

4. श्री वी. के. भगीन, अनियंत्रित विधायी प्राप्तकारी, विधायी विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय, शास्त्री भवन नई दिल्ली।

5. श्री एम. एच. भोजानी, कार्यपालक निदेशक, भारतीय औषोड़िक औषण एवं निवेश नियम, मम्बई।

6. प्री. एन. एल. मिश्र, नियंत्रक, नेशनल ला स्कूल ऑफ इंडिया एनीमिटी, नागरभान, बंगलौर।

7. श्री शार्दूल एस. श्राफ, अरिष्ट भागीवार, अस्सरन्द गंगलवास एण्ड मरेश ए. श्राफ एण्ड कॉ., 13, अब्दुल फजल रोड, नई दिल्ली।

सदस्य सचिव

8. श्री एन. वी. वर्णपांडे, कानूनी सलाहकार, भारतीय रिजर्व बैंक, मम्बई।

समिति अपनी स्वर्ग की प्रक्रिया तयार करेगी और अपनी विकारीग 30 जून 1999 तक प्रस्तुत करेगी। तथापि, जबकि विशेष अधिनियमों को अन्तम रूप दिया जाएगा, समिति जरूर संतुष्ट में अपनी विकारीग उपलब्ध कराएगी।

2. भारतीय रिजर्व बैंक समिति को सचिवालयी और तंत्र संबंधी महायात्रा होगा।

के. के. मंगल, अवर सचिव

मानव संशोधन विभाग मंत्रालय

(विभाग विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1999

संकल्प

ग. एक. 6-25/97-ग.3—जनांक भारतीय उच्च अधिकार संस्थान, शिल्पा की मोमार्टी का पत्रांठित किया है तथा दिनांक 20 अक्टूबर, 1998 के गम्भीर संकल्प द्वारा आगे मंशोधन किया है।

विभाग

3(ब) (1)

5. डॉ. एम. एम. इर्मा, कल्पना
डिव्हिंग्स विश्वविद्यालय डिल्ली-786004

6. श्री. पी. से. पांडुस्वामी
सद्रस विश्वविद्यालय चैनपैक-600005

आवेदन

आवेदन द्वारा जाता है कि संकल्प की मायान्य मूल्या हमें भारत सरकार के राज पत्र में प्रकाशित किया जाये।

मद्दत सोहन शा, संस्कृत विभाग

(गमनस्थी इकाई)

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1999

संकल्प

ग. एक. 27-38/96-एनेस्टो वृन्दावन-ओर्गेनिक फाउंडेशन अधिनियम, 1988 के अध्याग 111 के लेन्ड 21 और लेन्ड (1) और (2) ते निम्नधनों के अनुसार तथा नीतिविलं और गवर्नर्स लाइस-कार परिषद के राज के मंत्रालय द्वारा दिनांक 17 दिसम्बर के गम्भीर संस्कृत विभाग ने जारी गर्ते हए भारत सरकार एवं दिल्ली निम्नलिखित अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय सलाहकार परिषद के सदस्य के रूप में नामित करती है:—

(1) श्री. नार्मन बेर्नर्स,
ब्रिटिश बीडो,
ऑफिस रोड, आक्सफोर्ड—ओ. एकम. 38 एस बैड.
यू. के.

(2) श्री किरण जोशी
सी. 1/41, ग्रीन बिहार,
नई दिल्ली

2. इन दोनों सदस्यों ने कार्यकाल परिवार के शेष बचे हए कार्यकाल तक के लिए लोगा, अर्थात् 16 दिसम्बर, 20002 तक।

आवेदन

आवेदन द्वारा जाता है कि संकल्प के गम्भीर संस्कृत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

संकल्प सं. एफ 6-25/97-य. 3 द्वारा भारतीय उच्च अधिकार संस्थान, शिल्पा की मोमार्टी का पत्रांठित किया है तथा दिनांक 20 अक्टूबर, 1998 के गम्भीर संकल्प द्वारा आगे मंशोधन किया है।

कृपिक डा. एम. एम. इर्मा तथा प्रो. पी. से. पांडुस्वामी कालपति के पद पर कार्य नहीं कर रहे हैं तथा उन्हें इन द्वारा इस संकल्प के दिनांक 20 अक्टूबर, 1998 के गम्भीर संकल्प के भ्रम में केवल सरकार निम्नलिखित गम्भीरता करती है:—

निम्नलिखित अनुग्राह प्रतिपादित किये जायेंगे

5. प्रो. के. बी. पाण्डेय कल्पित
छत्रपति शहरी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय
कानपुर-208024 (उ.प.)

6. प्रो. अब्दुल भट्टाचार्य साम कल्पित
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय राजत विश्वविद्यालय
नई दिल्ली-110068

यह भी आदेश दिया जाना है कि संकल्प की एक प्रति ग्रन्थ सरकार की भेजी जाए।

कृपक बट्टी, मंशकृत संचित

अपारंगारिक उत्तर संतुष्ट मंत्रालय

ग. दिल्ली-110003, दिनांक 18 जनवरी 1999

आवेदन

विषय:—उत्तर के नए एवं नवीकरणीय भौतिकों के क्षेत्र में हिन्दू में शैक्षिक प्रस्तुत लेखों को प्रत्याहन दर्शन के लिए 'प्राकृतिक उत्तर प्रस्तुत योजना'

ग. 11019 (1)/98-हिन्दी—इस मंत्रालय के दिनांक 27 अप्रैल, 1998 के कागदिल जाए ग. 11019(2)/87-हिन्दी और दिनांक 19 जनवरी, 1989 के मामाल संख्यक विद्युतपत्र तथा 25 मार्च, 1994 के आदेश ग. 11015(3)/93-हिन्दी-भारत 1 के संबंध में सभी ग्रन्थ लकड़े द्वा दिल्ली हाजा हैं कि हम योजना के अंतर्गत प्राप्त होने वाली प्रविष्टियों में प्रत्येक में कम से कम 50 पृष्ठ अवधि हों।

आवेदन

आवेदन द्वारा जाता है कि इस आदेश की एक पर्याप्त भारत सरकार के गम्भीर संवादों और हिन्दामें, गंगा भारकारी, भारत के सभी विश्वविद्यालयों तथा भारतीय एजेंसियों ने भेजी जाए। यह भी आदेश द्वारा जाता है कि इस आदेश को मार्जिनिक सदनों के लिए भारत सरकार के ग्रन्थपत्र में प्रकाशित किया जाए।

प्रभारीमंत्री, उप-निवेदक (ग. भा.)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

New Delhi, the 8th February 1999

No. PFG (314)/74-Admn.II.—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (1) of Section 209-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government hereby authorise Shri V. P. Singh, Deputy Director (Inspection) in the Department of Company Affairs for the purpose of the said section 209-A.

D. P. SAINI, Under Secy.

No. PFG(315)/74-Admn.II.—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (1) of Section 209-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government hereby authorise Shri S. K. Mandal, Joint Director (Inspection) in the Department of Company Affairs for the purpose of the said section 209-A.

D. P. SAINI, Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 4th February 1999

No. U-13019/1/97-ANI.—The President is pleased to appoint the following persons as Members of the Home Minister's Advisory Committee for the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands in terms Para 2 (c) of this Ministry's notification No. U-13019/1/97-ANI dated 21-11-1996:—

1. Shri Mahananda Biswas
2. Shri Bimal Kumar Roy
3. Shri Nirmal Kumar Haldar
4. Capt. Pyara Singh
5. Shri S. Velu

The President is further pleased to nominate the following persons to be the Members of Home Minister's Advisory Committee for the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands in terms of Para 2 (e) and (f) of the above mentioned notification:—

1. Shri Bishnu Pada Roy
2. Smt. Ayesha Majed
3. Smt. Jaya Prabha

It has also been decided that the following persons will be the permanent invitees to attend the meetings of this Advisory Committee:—

1. Shri Saroop Lal
2. Shri H. N. Arora

THOMAS MATHEW, Director (ANI)

MINISTRY OF PLANNING AND
PROGRAMME IMPLEMENTATION
(DEPARTMENT OF STATISTICS)

New Delhi-110001, the 8th February 1999

No. M 13011/1/96-Admn.IV.—In pursuance of the Government of India Resolution No. DS/STS/4-69 dated the 5th March, 1970 regarding composition of the Governing Council of the National Sample Survey Organisation, the following officials and non-officials have been appointed as the

member of the Governing Council of NSSO for a period of two years w.e.f. 1-1-1999.

(A) NON-OFFICIALS :

1. Prof. A. K. Adhikari,
Indian Statistical Institute,
203, B. T. Road,
Calcutta-700 035.
2. Prof. T. J. Rao,
Indian Statistical Institute,
203, B. T. Road,
Calcutta-700 035.
3. Shri S. Ramanatha Iyer,
Ex-Director, FOD, NSSO,
17, North Street, Kalai Nagar,
Madurai-625 014.
4. Prof. S. N. Mishra,
Former Director IEG (MD-I),
Sahvikas Group Housing Society,
68, Patparganj,
New Delhi-110 092.
5. Smt. Uma Dutta Roy Choudhuri,
Flat No. 50, Shivalik Apartments,
Pocket A, Alaknanda,
New Delhi-110 019.

(B) OFFICIAL MEMBERS :

1. Director,
Department of Economics and Statistics,
Government of Madhya Pradesh,
Vindhya Bhawan,
Bhopal-462 004.
2. Director,
Department of Economics and Statistics,
Government of Tamil Nadu,
Block II, Administrative Office Building,
239, Anna Salai, Teynampet,
Chennai-600 006.
3. Director,
Directorate of Statistics,
Government of Tripura,
Shankar Chumulapni,
Agartala-799 001.
4. Member nominated by the Ministry of Agriculture,
Government of India,
Krishi Bhawan,
New Delhi-110 001.
5. Member nominated by Department of Family Welfare,
Nirmal Bhawan,
New Delhi-110 001.
6. The Director General,
Central Statistical Organisation,
Department of Statistics,
Sardar Patel Bhawan,
Sahid Marg,
New Delhi-110 001.
7. The Deputy Director General,
Computer Centre,
East Block No. 10, R. K. Puram,
New Delhi-110 022.
8. The Deputy Director General,
Data Processing Division,
National Sample Survey Organisation,
Department of Statistics,
Mahalanobis Bhawan, 164, G. L. T. Road,
Calcutta-700 035.
9. The Deputy Director General,
Survey Design & Research Division,
National Sample Survey Organisation,
Department of Statistics,
Mahalanobis Bhawan, 164, G.L.T. Road,
Calcutta-700 035.

40. The Deputy Director General,
Field Operations Division,
National Sample Survey Organisation,
Department of Statistics,
'C' Wing, 3rd Floor,
Pushpa Bhavan, Madangir Road,
New Delhi-110 062.

11. Director,
Coordination & Publication Division,
National Sample Survey Organisation,
Department of Statistics,
Sardar Patel Bhavan, Sansad Marg,
New Delhi-110 001.

(C) MEMBER-SECRETARY

12. Director General & Chief Executive Officer,
National Sample Survey Organisation,
Department of Statistics,
Sardar Patel Bhavan, Sansad Marg,
New Delhi-110 001.

A. K. SHARMA, Dir.

MINISTRY OF STEEL

New Delhi, the 24th June 1998

RESOLUTION

No. SC-9(7)/97-DI(1).—Vide Resolution No. SC-1(1)/86-DIII dated January 31, 1986, Government of India had constituted a "Steel Consumers Council" under the Chairmanship of the Minister of Steel and Mines, consisting of representatives of Govt., Producers and Consumers of Iron and Steel, house builders and related industries. The tenure of the Council which was extended vide Resolution No. SC-1 (1)/95-DI dated December 6, 1995 expired on 30th October, 1997. It has now been decided to extend the tenure of the Council by another two years i.e. upto October 30, 1999.

The function of the Council i.e. "to advise and assist Central Government in matters relating to supply, availability, quality and the market trends of iron and steel" will remain unchanged.

ORDER

Ordered that a copy of the above Resolution be communicated to all the State Governments, Union Territory Administrations, all the Ministries and the Departments of the Government of India including the Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Parliament Secretariat, Planning Commission and the Comptroller and Auditor General of India and all the members of the Steel Consumers Council.

2. Ordered also that it be published in the Gazette of India for general information.

K. S. RAJENDRA KUMAR, Jt. Secy.

MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 5th February 1999

RESOLUTION

No. 31/65/98-PP.—In partial modification of earlier resolution/order No. CWC/10/9/93-R&D/54 dated 17-1-1994 relating to the reconstitution of Indian National Committee on Rock Mechanics and Tunnelling Technology (INCRM TT), Government of India is pleased to reconstitute the committee and rename it as Indian National Committee on Geotechnical

Engineering (INC GE) with the following composition, functions & related provisions.

1. Composition

Chairman

(i) Director,
Central Soil and Materials
Research Station, New Delhi.

Members

(ii) A Chief Engineer of D&R Wing to be nominated by Member (D&R), Central Water Commission, New Delhi.

(iii) Director (Engg. Geology),
Geological Survey of India, Calcutta.

(iv) Director,
National Institute of Rock Mechanics, Kolar.

(v) A nominee of Director Central Mining Research Station (CMRS), Dhanbad not below the rank of Scientist "E".

(vi) & (vii) One Director each from two of the States Research Institutions or Laboratories on Rotational basis (To be appointed for a term of 3 year by MoWR).

(viii) to (xi) Four eminent academicians. Two working in the area of Rock Mechanics & Tunnelling Technology and two in the area of Soil Mechanics & Foundation Engineering. Out of four, one member shall be woman. (To be appointed for a term of 3 year by MoWR).

(xii) & (xiii) One Representative each from two of the Hydro-Electric Corporations, (viz., TDPC, NJPC & NHPC) not below the rank of Chief Engineer on Rotational Basis. (To be appointed for a term of 3 years by MoWR).

(xiv) President,
Indian Society for Rock Mechanics & Tunnelling Technology, New Delhi.

(xv) Director, Research and Development & Head SMD, Central Water Commission, New Delhi.

(xvi) A nominee of Director, Central Building Research Institute (CBRI), Roorkee not below the rank of Scientist-E.

(xvii) A nominee of Director, Central Road Research Institute, (CRRI), New Delhi not below the rank of Scientist "E".

(xviii) A nominee of Director, Railway Design & Standard Organisation (RD&SO), Lucknow not below the rank of Chief Engineer.

(xix) A nominee of Director General, Boarder Roads Organisation (BRO), New Delhi not below the rank of Chief Engineer.

(xx) President, Indian Geo-technical Society, New Delhi.

Member-Secretary

(xxi) Joint Director/Chief Research Officer, CSMRS, New Delhi.

2. Functions of the Committee shall be as follows :

2.1 (i) To give advice to Central and State Governments and other agencies on matters related to Soil Mechanics, Foundation Engineering, Rock Mechanics and Tunnelling Technology.

(ii) To appoint special task force/expert panels to consider special problems to advise the committee.

2.2 (i) To prepare and periodically update the state of the art in the country in different branches of Soil Mechanics, Rock Mechanics and Tunnelling Technology by collecting relevant information from national and international organisations and disseminating the same

(ii) To undertake studies on historical appreciation of Development of Soil Mechanics, Foundation Engineering, Rock Mechanics and Tunnelling Technology and introduce perspective planning for applied research in these fields.

(iii) To disseminate information related to Soil Mechanics, Foundation Engineering, Rock Mechanics and Tunnelling Technology by way of publishing journals, research news/digests.

2.3 (i) To recommend recognition of Centres of Excellence in different branches of Soil Mechanics, Foundation Engineering, Rock Mechanics and Tunnelling Technology and recommend central funding thereof.

(ii) To recommend funding for the Infrastructural Development of Geotechnical Research Institutions.

(iii) To maintain effective co-ordination to avoid overlaps in the Research programmes of the different Institutions.

(iv) To promote programmes for human resources development leading to specialisation of Research Staff and recommend encouragement for the outstanding research personnel.

2.4 (i) To identify areas in the field of Soil Mechanics, Foundation Engineering, Rock Mechanics and Tunnelling Technology which need immediate attention or in which new methods are to be introduced for bringing the level of applied research activities in the country to international standards.

(ii) To promote, coordinate and recommend funding of research programmes to be taken up by the institutions in the country on basic and applied research action research and other area related to research in Soil Mechanics, Foundation Engineering, Rock Mechanics and Tunnelling Technology.

(iii) To encourage the national institutions to take up research studies and developmental activities in the fields which have been identified by the committee as thrust/priority areas; where necessary the committee may itself nominate the institution for undertaking research/development in specified subject.

(iv) To encourage voluntary professional bodies, Non-Commercial NGOs to take up R&D activities, dissemination of knowledge, participation in mass awareness programmes, etc. in Soil Mechanics, Foundation Engineering, Rock Mechanics and Tunnelling Technology.

(v) To maintain effective cooperation with other National Committees/Boards, related GoI/State Ministries, CSIR Labs., IITs, Engineering Colleges and Polytechnics, Universities and other Academic Institutions.

(vi) To encourage indigenous industry through loans to take up technological development in Soil Mechanics, Foundation Engineering, Rock Mechanics and Tunnelling Technology.

(vii) To monitor the progress made by the executing institutions on research schemes in the fields of Soil Mechanics, Foundation Engineering, Rock Mechanics and Tunnelling Technology.

2.5 (i) To promote and coordinate effective participation of India in the international programmes related to Soil Mechanics, Foundation Engineering, Rock Mechanics and Tunnelling Technology and to act as national committee for such international bodies where required.

(ii) To promote Educational and Training and Manpower Development Programmes in the fields of Soil Mechanics, Rock Mechanics, Foundation Engineering and Tunnelling Technology.

(iii) To arrange and conduct seminars/conferences/workshops to support mass awareness programmes and to arrange

R&D review sessions in Soil Mechanics, Foundation Engineering, Rock Mechanics and Tunnelling Technology.

3. Meeting :

The Committee will meet as and when necessary, however, there shall be at least one meeting in a year.

4. Sub-Committees

The Committee may appoint a maximum of five sub-committees each of which may have maximum of five members. The membership of the sub-committee will be restricted to the members of the Indian National Committee.

5. Secretariat

The Secretariat of INCGE and its sub-committees will be under the administrative control of Director, CSMRS, New Delhi.

6. Expenditure

(a) Expenditure on account of TA/DA to official members will be met from the sources from which they draw their salaries and that to non-official members will be met from the funds/grants of the Indian National Committee on Geotechnical Engineering.

(b) Expenditure on account of activities of secretariat and those mentioned in 6(a) above, shall be chargeable to R&D Plan Provisions.

ORDER

Ordered that the resolution be published in the Gazette of India.

V. K. TRIKHA, Under Secy.

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) (BANKING DIVISION)

New Delhi, the 15th February 1999

RESOLUTION

H. No. 22/2/98-B.O.I.—The Committee on Banking Sector Reforms which was set up on 26th December, 1997 under the Chairmanship of Shri M. Narasimham, submitted its Report in April, 1998. In view of the wide ranging changes needed in the legal framework the Committee recommended the setting up of an Expert Committee comprising among others, representatives from the Ministry of Law, Banking Division, Ministry of Finance, Reserve Bank of India and some outside experts to formulate specific proposals to give effect to the suggestions made by the Committee in their Report.

2. Accordingly, it has been decided by the Government to set up an Expert Committee for this purpose. The composition of the Committee will be as under :

Chairman

1. Shri T. R. Andhyarujina,
Senior Advocate and Former Solicitor General of India,
215, Jor Bagh,
New Delhi.

Members

2. Shri M. Damodaran,
Joint Secretary (BO),
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
Banking Division,
New Delhi.

Members—Contd.

3. Shri A. P. Agarwal,
Additional Legal Adviser,
Department of Legal Affairs,
Ministry of Law and Justice,
Shastri Bhawan,
New Delhi.

4. Shri V. K. Bhasin,
Additional Legislative Counsellor,
Legislative Department,
Ministry of Law and Justice,
Shastri Bhawan,
New Delhi.

5. Shri S. H. Bhojani,
Executive Director,
Industrial Credit and Investment Corporation of India,
Mumbai.

6. Prof N. L. Mitra,
Director,
National Law School of India University,
Nagerbhan,
Bangalore.

7. Shri Shardul S. Shroff,
Senior Partner,
Amar Chand Mangal Dass and Suresh A. Shroff & Co.
13, Abdul Fazal Road,
New Delhi.

6. Prof. P. K. Ponnuswamy, 6. Prof. Abdul W. Khan,
University of Madras Vice-Chancellor New
Chennai-600 003. Delhi-68. Indira Gandhi
National Open University

ORDER

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

MADAN MOHAN IHA, Jr. Secy.

(UNESCO UNIT)

New Delhi, the 29th January 1999

RESOLUTION

No. F.27-38/96-UU.—In terms of sub-sections (1) and (2) of the Section 21 of Chapter III of the Auroville Foundation Act 1988 and in Continuation of Resolution of even number dated 17th December, 1997 constituting the Auroville International Advisory Council, the Government of India hereby nominates the following as members of the International Advisory Council :

(1) Prof. Norman Myers,
Upper Meadow,
Old Road,
Oxford OX-38SZ,
U.K.

(2) Shri Kiran Joshi,
C-17/1, Pahar Vihar,
New Delhi.

2. The terms of Office of these two members will be for the remainder of the term of the council i.e. till 16th December, 2002.

ORDER

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

Ordered also that a copy of the Resolution may be sent to the State Government.

CHAMPAK CHATTERJI, Jr. Secy.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 25th January 1999

RESOLUTION

No. F.6-25/97-U-3.—Whereas in pursuance of Rule 3 of the Rules and Regulations of the Indian Institute of Advanced Study, Shimla, Government of India reconstituted the Society of the IIAS, Shimla vide Resolution No. F.6-25/97-U-3 dated 20th July, 1998 and further amended by resolution of even number dated 20th October, 1998.

Now, since Dr. M. M. Sharma and Prof. P. K. Ponnuswamy have ceased to be Vice-Chancellors in continuation of this Ministry's Resolution of even No. dated 20th October, 1998 the Central Government hereby makes the following amendments :—

Existing	To be substituted as follows
3 (b) (i)	
5. Dr. M. M. Sharma, Vice-Chancellor, Dibrugarh University Dibrugarh-786 004.	5. Prof. K. B. Pandey, Vice-Chancellor, Chhatrapati Shahuji Maharaj, Kanpur University, Kanpur-208024. (U.P.)

MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES

New Delhi-110003, the 18th January 1999

ORDER

Subject : 'Prakritika Urja Award Scheme' to encourage writing of original books in Hindi in the field of New and Renewable Sources of Energy.

No. 11019(1)/98-Hindi.—With reference to this Ministry's O.M. No. 11019(2)/87-Hindi, Dated 27-4-1988, and in Continuation of Corrigendum of even number dt. 19th January, 1989, and order No. 11015(3)/93-Hindi-Part I dated 25-3-94, I am directed to say that the each entry to be received under this scheme must contain atleast 50 pages.

ORDER

Ordered that a copy each of this corrigendum be sent to all the State Governments, all the Ministries and Departments of Government of India, all the Universities of India and all the News Agencies.

Ordered also that a copy of this order be published in the Gazette of India for general information.

PREM SINGH, D. D. (OL).